

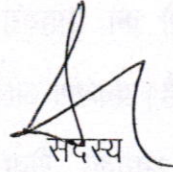
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक दो-निगरानी/सिंगरोली/भू.रा./2017/6201

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
19/6/18	<p>निगरानी की ग्राह्यता पर आवेदक के अभिभाषक को पूर्व पेशी पर सुना जा चुका है। प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत हुआ। अवलोकन किया गया। यह निगरानी अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के प्रकरण क्रमांक 144/17-18 अपील में पारित आदेश दिनांक 9-11-17 के विरुद्ध म0प्र0 भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्कों पर विचार करने एवं प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि शासकीय भूमि पर आवेदक द्वारा अतिक्रमण करने के परिणाम स्वरूप तहसील न्यायालय में आवेदक के विरुद्ध अतिक्रमण प्रकरण पंजीबद्ध हुआ है एवं जांच तथा सुनवाई के बाद आदेश दिनांक 26-10-2016 पारित करके आवेदक पर अर्थदण्ड अधिरोपित कर बेदखल करने के आदेश हुए हैं। आवेदक ने विचारण न्यायालय के आदेश दिनांक 26-10-16 के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी, देवसर के समक्ष अपील की थी, जो प्रकरण क्रमांक 17/16-17 अपील पर पंजीबद्ध होकर सुनवाई के बाद आदेश दिनांक 12-6-17 से निरस्त कर दी गई। अनुविभागीय अधिकारी के आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई। अपर आयुक्त रीवा संभाग, रीवा ने प्रकरण क्रमांक 144/17-18 अपील में पारित आदेश दिनांक 9-11-17 से अपील निरस्त की गई है। अपर आयुक्त के इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी है।</p> <p>3/ निगरानी प्रकरण की ग्राह्यता पर सुनवाई के दौरान आवेदक के अभिभाषक यह प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके हैं अथवा ऐसा कोई अभिलेख</p>	

प्र०क० दो-निगरानी/सिंगरोली/भू.रा./2017/6201

प्रस्तुत नहीं कर सके हैं शासकीय भूमि पर कब्जा करने एवं खेती करने का स्वत्व उन्हें किन आधारों पर है। इसके विपरीत भूमि शासकीय है जिसके कारण तहसील न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 26-10-16 में अनुविभागीय अधिकारी एवं अपर आयुक्त ने हस्तक्षेप नहीं किया गया है। विचाराधीन निगरानी सारहीन है जिसके कारण प्रचलन-योग्य न पाये जाने से ग्राह्यता के स्तर पर अमान्य की जाती है।


सदस्य

